ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

The Justice of Patiala and His First Murder Case

Baba Khadak Singh's reputation as a fair and wise leader spread throughout the region of Patiala, where he was seen not only as a spiritual leader but also as someone who could offer counsel in matters of legal disputes

Geopolymer Theory of the Great Pyramid of Giza

राहुल गांधी काफी निराश हैं, अपनी पार्टी के राज्यसभा सदस्यों से

निराशा का कारण है, इन सदस्यों का एक तरह से ''सरैण्डर'' सा होना मोदी व भाजपा के समक्ष राज्यसभा में

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 फरवरी। कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लोकसभा में बोलने से रोकने में सफल रही। वे राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का उत्तर देने में असमर्थ रहे।

लेकिन यही बात राज्यसभा के बारे में नहीं कही कहा जा सकती।

विपक्ष ने शोर तो मचाया, लेकिन उसका कोई खास असर नहीं हुआ। थोड़ी देर बाद, विपक्ष वॉकआउट कर गया। प्रधानमंत्री ने राज्यसभा से अपना उत्तर दिया और उन्हें पूरी स्वतंत्रता मिली।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी इस बात से काफी नाराज़ हैं कि राज्यसभा में कांग्रेस के नेता मोदी और भाजपा का मुकाबला बेहतर ढंग से नहीं कर पाए। उनका मानना है कि राज्यसभा के वर्तमान कांग्रेसी सदस्य गुलाम नबी आज़ाद के दौर के हैं और वे (राहुल) चाहते हैं कि उच्च सदन में नए, युवा नेता आएं, जो भाजपा का प्रभावी मुकाबला कर सकें।

- **राहुल की निराशा, इस समय विशेष महत्व रखती है, क्योंकि कांग्रेस के 7 राज्यसभा सदस्य रिटायर हो रहे हैं तथा पार्टी के ग्यारह नेता पुनः निर्वाचित होंगे। मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा किसी का टिकट पक्का नहीं है।**
- **राहुल चाहते हैं, युवा ब्रिगेड के सदस्य भेजे जाएं, राज्यसभा में सदस्य के रूप में, जो मोदी सरकार व भाजपा का जमकर मुकाबला कर सकें सदन में, जैसा राहुल के अनुसार, कांग्रेस ने लोकसभा में किया।**
- **पर, दिक्कत यह है कि राहुल की युवा ब्रिगेड का न इतना अध्ययन है, न ही अनुभव, कि मोदी सरकार का सामना कर सके, सदन में।**
- **राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ''सोशल इंजीनियरिंग'' पर फोकस कर रही है, जहाँ तक, राजनीतिक नियुक्तियों का सवाल है। अतः अब थक हारकर, शायद कांग्रेस को अपना फोकस थोड़ा बदलना पड़ेगा। सोशल इंजीनियरिंग के ''कोटे'' में छोटा कोटा, उन नेताओं का भी बनाना होगा, जिन्हें संसद की कार्यवाही की जटिलता व राजनीतिक समझ पर गहरी पकड़ हो, जिससे कांग्रेस राज्यसभा में प्रभावशाली प्रदर्शन कर सके।**

राहुल गांधी पहले भी युवा और आक्रामक नेताओं को राज्यसभा में लाये थे, जिन्हें ''शोर मचाने वाली ब्रिगेड'' कहा गया, जिन्होंने सदन में जोरदार उपस्थिति दर्ज कराई और कांग्रेस की आवाज़ सुना जाना सुनिश्चित किया।

राज्यसभा चुनाव नज़दीक हैं, और ऐसा समझा जा रहा है कि राहुल गांधी बोलने में प्रवीण युवा नेताओं की तलाश में हैं जो ऊपरी सदन में हलचल पैदा कर सकें। समस्या यह है कि राहुल गांधी के कृपा-पात्र अधिकांश नेता मोदी के खिलाफ प्रभावी साबित होने के लिए न तो आवश्यक राजनीतिक समझ रखते हैं और न ही पर्याप्त क्षमता।

कांग्रेस के 7 राज्यसभा सदस्य सेवानिवृत्त हो रहे हैं और 11 पुनर्निर्वाचित होने जा रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटा में तीन मंजिला बिल्डिंग ढही

कोटा, 07 फरवरी। शहर के कोचिंग हब इलाके में शनिवार रात एक बड़ा हादसा हुआ। जवाहर नगर थाना क्षेत्र के इंद्र विहार में ओपेरा हॉस्पिटल के नजदीक एक तीन मंजिला बिल्डिंग अचानक भरभराकर ढ ह गई। इस हादसे में मलबे के नीचे कई लोग दब गए हैं। जिनमें कोचिंग छात्रों के भी शामिल होने की आशंका है। बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर

- **कोचिंग छात्रों सहित कई लोगों के दबे होने की आशंका।**

पर तीन अलग-अलग रेस्टोरेंट चल रहे थे, जिनमें मुरादाबादी नॉन-वेज रेस्टोरेंट प्रमुख था। नीचे दुकानों में ग्राहक और कर्मचारी मौजूद थे। बताया जा रहा है कि बाहर बाइक पार्किंग एरिया में बैठे कुछ लोग भी प्रभावित हुए हैं।

जानकारी के अनुसार, घटना के समय तेज आवाज आई, जिसे कुछ लोगों ने ब्लास्ट जैसा बताया और पूरी इमारत ढ ह गई। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन, नगर निगम की टीमें, सिविल डिफेंस और एसडीआरएफ की कंपनियां मौके पर पहुंच गईं। रेस्क्यू ऑपरेशन तेजी से चलाया जा रहा है। अब तक आधा दर्जन से ज्यादा लोगों को बाहर निकाला गया है जिनमें कुछ कोचिंग छात्र भी शामिल हैं। सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है।

अमेरिका ने अपने नक्शे में पूरे कश्मीर को भारत का हिस्सा दिखाया

सरकार द्वारा जारी नक्शे, कई स्तर पर अवलोकन व पुनरावलोकन के बाद ही जारी किए जाते हैं, अतः अमेरिका द्वारा जारी इन नक्शों में पूरे पाक अधिकृत कश्मीर, अक्साई चिन व अरूणाचल को भारत का हिस्सा स्वीकार करना अमेरिका की विदेश नीति में भारी परिवर्तन दिखलाता है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 फरवरी। पाकिस्तान के लिए इसे एक बहुत बड़ा झटका माना जा रहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के ट्रेड प्रतिनिधि (यू.एस.टी.आर.) ने भारत के साथ अंतरिम व्यापार ढांचे पर आधिकारिक जानकारी के हिस्से के रुप में एक नक्शा प्रकाशित किया है। इस नक्शे में जम्मू-कश्मीर का पूरा क्षेत्र, जिसमें पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पी.ओ.के.) भी शामिल है, भारत का हिस्सा दिखाया गया है, बिना किसी बाउन्ड्री लाइन या शेडिंग के। डिप्लोमैटिक शब्दों में, यह कोई मामूली डिज़ाइन चॉइस नहीं है, यह एक संकेत है।

इस नक्शे में अक्साई चिन भी दिखाया गया है। यह एक ऐसा इलाका है, जिस पर चीन का कंट्रोल है, लेकिन इस पर भारत दावा करता है, और अरुणाचल प्रदेश जैसे क्षेत्र भी, भारत के ऑफिशियल पॉलिटिकल मैप के मुताबिक, भारत की सीमाओं के अंदर हैं।

- **अमेरिका अब इस कृत्य से यह संदेश दे रहा है कि हालांकि, पाकिस्तान अभी सामरिक दृष्टि से अमेरिका के लिए महत्व रखता है, पर, पाकिस्तान का अब, इस क्षेत्र में भारत के बराबर का महत्व नहीं है और अमेरिका ने यह मैसेज दिया है कि वह दक्षिण एशिया को अब नई जमीनी सच्चाई की दृष्टि से देखता है, पुराने मतभेदों व विवादों के ऐनक के जरिए से नहीं।**

यह तस्वीर यू.एस.टी.आर. की एक पोस्ट के साथ साझा की गई थी, जिसमें ट्रेड फ्रेमवर्क के तहत अमेरिका के बाजार में पहुँच बढ़ाने पर जोर दिया गया था, जिसमें दोनों देशों के बीच होने वाले ट्रेड के सामानों पर लगने वाले शुल्क का जिक्र था।

सरकारों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले नक्शे शायद ही कभी गलती से बनाए जाते हैं। उन्हें कई स्तरों की सरकारी प्रक्रिया से मंजूरी मिलती है, क्योंकि उनका राजनीतिक अर्थ उनके सीधे संदर्भ से कहीं ज्यादा हो सकता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका के साथ आनन-फानन में ''सीक्रेट डील'' कर रहा है बांग्लादेश

डील का कोई भी प्रावधान सार्वजनिक रूप से उजागर नहीं किया जाएगा व संसद में भी पेश नहीं होगा

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 फरवरी। भारत और अमेरिका के बीच मुक्त व्यापार समझौते (फ्री ट्रेड एग्रीमैंट-एफ़टीए) के औपचारिक रूप से लागू होने के तुरंत बाद, और बांग्लादेश के चुनावों से मात्र तीन दिन पहले, मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार अमेरिका के साथ आनन-फानन में पारस्परिक शुल्क (रेसिप्रोकल टैरिफ) पर एक समझौता करना चाहती है।

इस समझौते में गोपनीयता (नॉन-डिस्क्लोज़र) की शर्त होगी, यानी व्यापार और टैरिफ से जुड़ी बातचीत को जनता से गुप्त रखा जाएगा। रिपोर्टों के अनुसार, किसी भी मसौदा समझौते को न तो संसद के सामने रखा गया है और न ही बांग्लादेशी उद्योग जगत के प्रमुख

- **बांग्लादेश के अर्थशास्त्री व राजनैतिक दलों ने इस पर सवाल उठाया और कहा कि ऐसी डील करने का अधिकार चुनाव के बाद निर्वाचित सरकार का होना चाहिए, यूनुस का नहीं।**
- **डील के तहत अमेरिकन सामान, खासकर वाहन, बिना किसी जाँच के बांग्लादेश के बाज़ार में बेचे जाएंगे। सूत्रों के अनुसार, भारत के साथ अमेरिकन ट्रेड डील से चिंतित होकर बांग्लादेश यह डील कर रहा है।**

हितधारकों के साथ साझा किया गया है। इससे बांग्लादेश में चिंताएँ पैदा हो गई हैं, क्योंकि ऐसे महत्वपूर्ण फैसले लेना तो नई निर्वाचित सरकार का अधिकार होना चाहिए था। फेसबुक पर एक पोस्ट में एक बांग्लादेशी अर्थशास्त्री ने ''राष्ट्रीय चुनावों से चन्द रोज़ पहले, यूनुस सरकार द्वारा बंदरगाह लीज़ पर देने, हथियार आयात करने और अमेरिका के साथ अधीनता वाले समझौते करने की जल्दबाज़ी पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब ''पूरी तरह अपारदर्शी, तर्कहीन और अनियमित तरीके'' से किया जा रहा है।

रिपोर्टों के मुताबिक, इस सौदे के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

टी-20 विश्व कप के बहिष्कार पर पाक का यू टर्न

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 फरवरी। उम्मीद है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) 15 फ़रवरी को कोलंबो में होने वाले

- **पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि श्रीलंका क्रिकेट के आग्रह पर वह टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के साथ नहीं खेलने के रूख पर पुनर्विचार के लिए सरकार से बात करेगा।**

टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार पर पुनर्विचार करने के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'क्या अनिल अंबानी ने एप्स्टीन से महिला से सानिध्य की मांग की थी, ई-मेल भेजकर?'

जैफरी एप्स्टीन फाइल्स के नए कागज़ात, जो हाल ही में प्रकाशित हुए, ने यह उपरोक्त जानकारी उजागर करके भारत की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में कई तकलीफ देह सवाल उठाए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 फरवरी। दिवंगत कुख्यात फाइनैंसर जैफरी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेज़ों के सार्वजनिक होने से भारत में एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। इन दस्तावेज़ों में उद्योगपति अनिल अंबानी का नाम सामने आने के बाद कॉरपोरेट ताक़त, राजनीतिक प्रभाव और राष्ट्रीय हितों के आपसी रिश्तों पर तीखी बहस छिड़ गई है।

एपस्टीन से जुड़े अमेरिकी अदालत की कार्यवाहियों के तहत हाल ही में सार्वजनिक किए गए दस्तावेज़ों के

- **पहला और सबसे महत्वपूर्ण सवाल है, भारत की सुरक्षा से जुड़े, अस्त्र-शस्त्र सप्लाई करने वालों के ''बैकग्राउण्ड'' (पृष्ठभूमि) की बारीकी से छानबीन की व्यवस्था केवल एक घोषित ''दावा'' ही है।**
- **अनिल अंबानी को 30,000 करोड़ रूपए में फ्रांस से खरीदे जा रहे राफेल विमान की खरीद व भारत में इनके मैन्युफैक्चर में पार्टनर की भूमिका निभाने की इजाज़त देने से पहले क्या सप्लायरों की भी जाँच हुई थी। अगर हुई थी तो जाँच की रिपोर्ट में क्या कहा गया था?**
- **अंबानी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि किसी संदिग्ध व्यक्ति की फाइल में नाम का उल्लेख होना, किसी अपराध का सबूत नहीं माना जा सकता।**

अनुसार, मार्च 2017 की निजी बातचीत में अनिल अंबानी का नाम दर्ज है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया और राजनीतिक टिप्पणीकारों द्वारा व्यापक रूप से उद्धृत किए जा रहे एक संदेश में कथित तौर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में ओबामा और उनकी पत्नी को बंदर के रूप में दिखाया

ट्रंप की इस पोस्ट पर अमेरिका में भारी विरोध हो रहा है, लेकिन ट्रंप ने इस पर खेद जताने से इन्कार कर दिया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 फरवरी। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर की है, जिसमें पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल ओबामा को जंगल में बंदरों के रूप में दिखाया गया है। इस पोस्ट से अमेरिका में भारी हंगामा मच गया है।

यह आपत्तिजनक सामग्री 2020 के चुनाव में कथित वोटिंग मशीन धोखाधड़ी और चुनाव परिणाम ''चुराए जाने'' से जुड़े एक वीडियो के अंत में दिखाई देती है। वीडियो अचानक खत्म होता है और उसमें ओबामा दंपती के चेहरों को बंदरों के शरीर पर दिखाया जाता है। शुरुआत में वाइट हाउस ने इस वीडियो क्लिप को अप्रासंगिक बताकर टालने की कोशिश की, लेकिन इसके बाद ऐसा तूफान उठा कि वाइट हाउस के सहायकों को अपने रुख पर दोबारा विचार करना पड़ा।

रिपब्लिकन हों, डेमोक्रेट हों या तटस्थ हों, लगभग सभी अमेरिकियों को इस पोस्ट ने नाराज़ कर दिया है। अधिकांश अमेरिकी डॉनल्ड ट्रंप के व्यवहार और उनकी इस अशोभनीय

- **ट्रंप की इस शर्मनाक हरकत पर सभी अमरीकी, चाहे वो डैमोक्रेटिक पार्टी के हों या रिपब्लिक पार्टी के या तटस्थ सोच वाले, स्तब्ध हैं। रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं ने भी कहा कि ट्रंप को इस पर माफी मांगनी चाहिए।**
- **ट्रंप की इस पोस्ट को उनकी नस्लवादी सोच का परिचायक बताया जा रहा है। मीडिया भारी दुविधा में है, क्योंकि अगर वीडियो की खबर दिखाता है तो उस पर इस घृणित वीडियो का प्रचार करने का आरोप लग सकता है और नहीं दिखाता है तो इतनी बड़ी घटना की उपेक्षा करने का दोष लग सकता है।**

हरकत के लिए माफी न मांगने के अड़ियल रवैये से स्तब्ध हैं। लोग इस घटनाक्रम को ''अत्यंत आपत्तिजनक'' बता रहे हैं। कई रिपब्लिकन नेताओं ने भी राष्ट्रपति से इस घटना के लिए माफी मांगने की मांग की है। लेकिन एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने माफी मांगने से इनकार कर दिया।

वाइट हाउस के प्रवक्ताओं ने सफाई दी कि यह पोस्ट राष्ट्रपति के सोशल मीडिया अकाउंट पर वाइट हाउस के एक जूनियर स्टाफ सदस्य द्वारा अपलोड की गई थी। जब इस आपत्तिजनक मीम की ज़ोरदार और व्यापक निंदा होने लगी, तब इसे हटा दिया गया। हालांकि, इस शर्मनाक व्यवहार पर शर्मिन्दा होने के बजाय, राष्ट्रपति कार्यालय के अधिकारियों ने इस घटना को मामूली बात बताने की कोशिश की और दोषी की पहचान बताने से इनकार कर दिया। उन्होंने केवल इतना कहा कि पोस्ट हटा दी गई है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि यह आपत्तिजनक पोस्ट पूरे बारह घंटे तक ऑनलाइन रही, उसके बाद ही हटाई गई। समाचार चैनलों में इस बात पर बहस चल रही है कि इस घटनाक्रम को कैसे डील किया जाए। वे असमंजस में हैं कि राष्ट्रपति के आधिकारिक हैंडल पर जो हुआ है, उसे दिखाया जाए या नहीं। एंकर इस दुविधा में हैं कि यदि पोस्ट दिखाई गई तो कहीं उसे और प्रचार तो नहीं मिल जाएगा। वहीं, यदि नहीं दिखाया गया तो इस घृणित कृत्य की गंभीरता जनता के सामने कैसे आएगी। लेकिन, जो भी हो, इस घटना ने डॉनल्ड ट्रंप के समर्थकों और कट्टर रिपब्लिकनों तक को हिलाकर रख दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस पोस्ट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा की रितु तावड़े बनीं मुम्बई की मेयर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 फरवरी। भाजपा की ऋतु तावड़े मुंबई की नई मेयर होंगी। इसके साथ ही, 25 साल में पहली बार यह पद शिवसेना के अलावा किसी अन्य

- **1997 से अब तक मुम्बई के मेयर का पद शिव सेना (यूबीटी) के पास था।**

पार्टी के पास जाएगा।

घाटकोपर की पार्षद ऋतु तावड़े इससे पहले बृहन्मुंबई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) की शिक्षा समिति की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)